COUPON CODE
PR10rutNrd
Visit www.rachnasagar.in
to redeem the offer

Series RHB-DS1

Code No. RSPL/3

Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 20 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नंबर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिंदी (ब)
HINDI (B)

निर्धारित समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देशः

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिएः

(*i*) इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।

(*ii*) खंड–क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।

(*iii*) खंड–ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(*iv*) खंड–ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(*v*) खंड–घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(*vi*) प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*vii*) यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड–'अ'

(वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्‌यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1×5=5)**

दूसरों के अधीन रहने वाले व्यक्ति को कभी सुख प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि वह जिसके अधीन होता है, उसी के निर्देशानुसार और उसी की इच्छा के अनुसार अपने सारे कार्य करता है।

जब हमारा देश भारत अंग्रेजों के अधीन था, तो कोई ऐसा अत्याचर नहीं था, जो हम भारतीयों ने सहा न हो। नौकर और मालिक के रिश्ते में भी ऐसा ही होता है। मालिक कितना भी अच्छा क्यों न हो, नौकर हमेशा सचेत और सजग रहता है और उसे मालिक के नाराज होने का और काम में चूक हो जाने का भय अवश्य बना रहता है। जिन घरों में पालतू पशु होते हैं, उन्हें उनके मालिक हर तरह की सुख-सुविधा, अच्छा भोजन, अच्छी देखभाल और खूब स्नेह देकर भी उतना प्रसन्न नहीं रख पाते, जितना स्वतंत्र पशु रहते हैं। एक सोने के पिंजरे में कैद तोता कभी भी स्वयं को भाग्यशाली नहीं समझता, क्योंकि जेल तो जेल है, चाहे उसकी सलाखें लोहे की हों या सोने की। यही कारण है कि अत्यधिक स्वतंत्रता पसंद लोग मालिक के नियंत्रण में रहने से बचने के लिए स्वयं द्‌वारा स्थापित किया हुआ व्यापार करना उत्तम समझते हैं, क्योंकि इस तरह वे किसी भी समय अपने कर्म स्थल पर पहुँच सकते हैं। उन्हें इसके लिए न तो किसी से आज्ञा लेनी पड़ती है और न ही किसी के क्रोध का भाजन बनना पड़ता है।

(*i*) मनुष्य वास्तविक अर्थों में तभी सुखी रह सकता है, जब–

(क) मनुष्य स्वतंत्र रहता है।

(ख) मनुष्य परतंत्र रहता है।

(ग) मनुष्य क्रोध करता है।

(घ) मनुष्य क्रोध का भाजन बनता है।

(*ii*) 'सोने के पिंजरे में कैद तोता कभी भी स्वयं को भाग्यशाली नहीं समझता' लेखक द्वारा ऐसा कथन दर्शाता है—

(क) भाग्यवाद को (ख) यथार्थ की समझ को

(ग) सांसारिक नीरसता को (घ) स्वाधीनता के सुख को

(*iii*) दूसरों के अधीन रहने वाले व्यक्ति को कभी सुख प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि—

(क) उसे कभी किसी की आज्ञा नहीं लेनी पड़ती है।

(ख) वह अपने सारे कार्य अपनी इच्छानुसार करता है।

(ग) वह अपने सारे कार्य दूसरों के निर्देशानुसार करता है।

(घ) वह अपने सारे कार्य परोपकार की भावना से करता है।

(*iv*) गद्यांश में स्वतंत्रता के महत्व का उल्लेख निम्न में से कौन-से विकल्प से ज्ञात होता है—

(क) स्वतंत्र व्यक्ति को दूसरों से आज्ञा लेनी पड़ती है।

(ख) स्वतंत्र व्यक्ति को मालिक के नियंत्रण में रहने की आवश्यकता पड़ती है।

(ग) स्वतंत्र व्यक्ति को किसी से आज्ञा नहीं लेनी पड़ती है।

(घ) स्वतंत्र व्यक्ति को दूसरों के कोप का भाजन बनना पड़ता है।

(*v*) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : मालिक कितना भी अच्छा क्यों न हो, नौकर हमेशा सचेत और सजग रहता है।

कारण (R) : पराधीन व्यक्ति को हमेशा अपने मालिक से भय बना रहता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1×5=5)

'आलस्य मनुष्य का महान शत्रु है' यह सुवाक्य शत-प्रतिशत सही है। मनुष्य की सफलता और उन्नति का आधार परिश्रम होता है। आलस्य मनुष्य की असफलता और अवनति का प्रमुख आधारभूत कारण होता है। आलस्य के द्वारा हम समय नष्ट करते हैं और फिर समय हमें नष्ट करता है। इसलिए महात्मा गांधी जी ने कहा है कि आलस्य भी एक प्रकार की हिंसा है, क्योंकि इसके द्वारा हम समय की हत्या करते हैं। हम स्वप्न देखना चाहते हैं, ऊँचा लक्ष्य पाना चाहते हैं, पर प्रयास करते समय उतना परिश्रम नहीं करते। आज के काम को कल पर टालते चले जाते हैं। यही आलस्य है। धीरे-धीरे यह आलस्य एक विकार की तरह हमारे शरीर में समा जाता है और हमें कर्महीन बनाता चला जाता है। इस प्रकार से आलस्य हमारे शरीर में रहने वाला हमारा गुप्त शत्रु है। संस्कृत में कहा गया है—"आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।"

मनुष्य को अपने जीवन में अनेक प्रकार के संघर्ष करने पड़ते हैं, जिसमें अनेक कष्टों को सहना पड़ता है। कर्मवीर अथवा पुरुषार्थी मनुष्य अपने पुरुषार्थ के बल पर सफलता प्राप्त कर लेता है। पुरुषार्थ का संबंध मनुष्य के 'मन' से है, जो उसके सभी प्रकार के कर्मों तथा व्यवहारों को नियंत्रण करने वाली एक शक्ति है। इसके विपरीत कर्मभीरु मनुष्य भाग्य पर निर्भर रहता है। भाग्यवादी मनुष्य आलसी तथा निकम्मा हो जाता है। आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है और जो मनुष्य आलसी होता है, वह प्रत्येक काम करने से पहले ही सुस्ती व अनुत्साह दिखाने लगता है। अधिकतर जो मनुष्य आलसी होते हैं, वे केवल अपने भाग्य को ही कोसते रहते हैं। वे सोचते हैं कि जो भाग्य में लिखा है, वही होगा। भाग्य तो आलसियों का सबसे बड़ा सहारा होता है। वे हर कार्य भाग्य पर छोड़ देते हैं और परिश्रम से दूर भागते हैं। असफल होने पर वे जीवनभर भाग्य को कोसते रहते हैं। इसके विपरीत जो मनुष्य पुरुषार्थ का दामन थामे रहते हैं, सफलता उनका वरण करती है। जो मनुष्य भाग्य के भरोसे न बैठकर पुरुषार्थ करते हैं, वे ही समय पर शासन करते हैं।

(*i*) मनुष्य की सफलता और उन्नति का आधार होता है—

(क) भाग्य पर निर्भरता

(ख) कठिन परिश्रम

(ग) आलस्य

(घ) अनुत्साह

(*ii*) मनुष्य के कर्महीन बनने का कारण है—

(क) केवल स्वप्न देखना

(ख) असफलता

(ग) कठिन परिश्रम करना

(घ) आलसी होना

(*iii*) सफलता कैसे मनुष्य का वरण करती है?

(क) भाग्य के भरोसे बैठने वाले का

(ख) कठिन परिश्रम करने वाले का

(ग) कष्ट न-सहने वाले का

(घ) आलसी और कर्मभीरु का

(*iv*) महात्मा गांधी जी ने आलस्य को भी एक प्रकार की हिंसा कहा है, क्योंकि—

(क) यह मनुष्य की सफलता का कारण बनता है।

(ख) इससे मनुष्य परिश्रम नहीं करता है।

(ग) इससे समय की हत्या होती है।

(घ) इससे कर्म की हत्या होती है।

(*v*) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : मनुष्य की असफलता एक विकार की तरह शरीर में धीरे-धीरे समा जाती है।

कारण (R) : मनुष्य का आलस्य ही उसे विकास के चरमोत्कर्ष पर ले जाता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(1×4=4)**

(*i*) 'गोरखपुर के जंगल में कर्नल कालिंज के खेमे का अंदरूनी हिस्सा था।' रेखांकित पदबंध का भेद है–

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रियाविशेषण पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

(*ii*) विशेषण पदबंध का उदाहरण छाँटिए–

(क) पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे।

(ख) पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे।

(ग) पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे।

(घ) पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे।

(*iii*) 'ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे।' रेखांकित पदबंध का भेद है–

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

(*iv*) 'सब साथ छोड़ते गए तो केवल वही उनके एकांत को <u>शांत कर रहा था</u>।' इस वाक्य में क्रिया पदबंध होगा—

(क) तो केवल वही

(ख) वही उनके एकांत को

(ग) शांत कर रहा था

(घ) सब साथ छोड़ते

(*v*) 'बार-बार तताँरा का <u>याचना भरा चेहरा</u> उसकी आँखों में तैर जाता।' रेखांकित पदबंध का भेद होगा—

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध

(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1×4=4)

(*i*) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है—

(क) ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है।

(ख) वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था।

(ग) दीया-बत्ती के वक्त फूलों को तोड़ने पर वह बद्दुआ देते हैं।

(घ) एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया।

(*ii*) 'एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है—

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) साधारण वाक्य

(*iii*) निम्नलिखित में से उपयुक्त संयुक्त वाक्य छाँटिए—

(क) जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।

(ख) उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की।

(ग) इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है।

(घ) नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना बहुत डरावना था।

(*iv*) कॉलम-I को कॉलम-II के साथ सुमेलित कीजिए और विकल्प चुनकर लिखिए—

कॉलम-I	कॉलम-II
1. गायन इतना प्रभावशाली था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।	(*i*) सरल वाक्य
2. वह अपनी कमर में सदा एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता।	(*ii*) संयुक्त वाक्य
3. एकाएक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई।	(*iii*) मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1–(*i*), 2–(*iii*), 3–(*ii*)

(ख) 1–(*iii*), 2–(*i*), 3–(*ii*)

(ग) 1–(*ii*), 2–(*iii*), 3–(*i*)

(घ) 1–(*iii*), 2–(*ii*), 3–(*i*)

(*v*) 'इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।' रचना के आधार पर इस वाक्य का भेद होगा—

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) सामान्य वाक्य

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1×4=4)

(*i*) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

समस्तपद	समास
(*i*) चतुरानन	द्वंद्व समास
(*ii*) रातोंरात	तत्पुरुष समास
(*iii*) नीलगगन	कर्मधारय समास
(*iv*) पंचामृत	द्विगु समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं—

(क) (*i*) और (*ii*)
(ख) (*iii*) और (*iv*)
(ग) (*ii*) और (*iii*)
(घ) (*i*) और (*iii*)

(*ii*) 'वचनामृत' का समास-विग्रह एवं भेद होगा—

(क) वचन के लिए अमृत — तत्पुरुष समास
(ख) अमृत के समान वचन है जो — बहुव्रीहि समास
(ग) वचन और अमृत — द्वंद्व समास
(घ) अमृत रूपी वचन — कर्मधारय समास

(*iii*) 'नीतिनिपुण' शब्द के लिए सही समास-विग्रह और समास का चयन कीजिए—

(क) नीति है जो निपुण — कर्मधारय समास
(ख) नीति में निपुण — तत्पुरुष समास
(ग) नीति और निपुण — द्वंद्व समास
(घ) नीति और निपुण — द्विगु समास

(*iv*) 'आत्मविश्वास' समस्तपद का विग्रह होगा–

(क) आत्म पर विश्वास

(ख) आत्मा पर विश्वास

(ग) आत्मा के लिए विश्वास

(घ) आत्म से विश्वास

(*v*) 'त्रिनेत्र' शब्द/समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?

(क) अव्ययीभाव समास

(ख) द्वंद्व समास

(ग) कर्मधारय समास

(घ) बहुव्रीहि समास

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(1×4=4)

(*i*) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(क) चींटी के पर निकलना – छोटे व्यक्ति के द्वारा घमंड करना

(ख) ठोकर खाना – लाभ उठाना

(ग) दाँत काटी रोटी होना – गहरी शत्रुता होना

(घ) जान में जान आना – उत्साह कम होना

(*ii*) 'दुख होना' के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(क) टेढ़ी खीर होना

(ख) ठोकर खाना

(ग) ठेस लगना

(घ) तिल का ताड़ करना

(*iii*) 'पहाड़ टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) काम बिगाड़ देना

(ख) मुश्किल काम करना

(ग) कठिन साधना करना

(घ) बड़ा संकट आना

(*iv*) रेखांकित अंश के लिए कौन-सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित होगा?

नाराज होने से क्या फायदा जो कुछ भी है उसे कहकर अपनी बात खत्म करो।

(क) मक्खी मारना

(ख) भौंहें चढ़ाना

(ग) मुँहतोड़ जवाब देना

(घ) रंग में भंग डालना

(*v*) किसी अशिक्षित के सामने गीता का पाठ करना .... के बराबर है।

रिक्तस्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(क) अवसर का लाभ उठाना

(ख) डंके की चोट पर कहना

(ग) मूर्ख को उपदेश देना

(घ) दिमाग में भूसा होना

(*vi*) 'थोड़े शब्दों में बहुत भाव भर देना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(क) गागर में सागर भरना

(ख) सूरज को दीया दिखाना

(ग) गजभर की छाती होना

(घ) गिरगिट की तरह रंग बदलना

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1×5=5)

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखो जी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिंदरावन री कुंज गली में, गोविंद लीला गास्यूँ ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीतांबर सौहे, गल वैजंती माला।
बिंदरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा-ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुंबी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिंवड़ो घणो अधीराँ॥

(*i*) 'तीनूं बाताँ सरसी' का भाव है—

(क) तीनों लोकों की प्राप्ति

(ख) दर्शन, स्मरण और भक्ति रूपी जागीर तीनों सुखों की प्राप्ति

(ग) तीन बार दर्शन प्राप्त करना

(घ) तीन बार संपत्ति प्राप्त करना

(*ii*) मीराबाई द्वारा 'साँवरिया' शब्द का प्रयोग .... के लिए किया गया है।

(क) यमुना जी के लिए

(ख) श्रीकृष्ण के लिए

(ग) वृंदावन नगरी के लिए

(घ) अपने पति के लिए

(*iii*) 'स्याम म्हाने चाकर राखो जी' कवयित्री ने ऐसा कहा है, क्योंकि–

(क) वे श्रीकृष्ण से लाभ पाना चाहती हैं।

(ख) वे श्रीकृष्ण का हृदय जीतना चाहती हैं।

(ग) वे श्रीकृष्ण को पाना चाहती हैं।

(घ) वे श्रीकृष्ण के निकट रहना चाहती हैं।

(*iv*) मीराबाई की भक्ति किस प्रकार की है?

(क) दास्य भक्ति

(ख) वात्सल्य भक्ति

(ग) दाम्पत्य भक्ति

(घ) उपर्युक्त तीनों

(*v*) इस काव्यांश का संदेश यह है कि–

(क) श्रीकृष्ण अपने भक्तों की पीड़ा को हर लेते हैं।

(ख) ईश्वर की चाकरी कर इच्छापूर्ति करनी चाहिए।

(ग) हमें निस्वार्थ भाव से ईश्वर की भक्ति करनी चाहिए।

(घ) ईश्वर की प्राप्ति करने के लिए वृंदावन जाना चाहिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– **(1×2=2)**

(*i*) पुस्तकीय ज्ञान को निरर्थक मानते हुए कबीरदास जी ने किसे महत्वपूर्ण माना है–

(क) अहंकार तथा विष को

(ख) प्रेम तथा अनुभव को

(ग) दीपक तथा अँधियारा को

(घ) निंदक तथा निंदा को

(*ii*) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और 'तोप' कविता के आधार पर अनुपयुक्त कथन चुनिए—

(क) अहंकार का कभी अंत नहीं होता है।

(ख) अंग्रेजों ने तोप की सहायता से अनेक वीरों को मौत के घाट उतार दिया था।

(ग) तोप को साल में दो बार चमकाकर दिखाया जाता है।

(घ) गौरैयाँ तोप के साथ खेलती हैं।

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(1×5=5)

जापान में मैंने अपने एक मित्र से पूछा, "यहाँ के लोगों को कौन-सी वीमारियाँ अधिक होती हैं?"

"मानसिक", उन्होंने जवाब दिया, "यहाँ के अस्सी फ़ीसदी लोग मनोरुग्ण हैं।"

"इसकी क्या वजह है?"

कहने लगे, "हमारे जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई वोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आपसे लगातार वड़वड़ाते रहते हैं। ...अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है। उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है। ...यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ वढ़ गए हैं।"

शाम को वह मुझे एक 'टी-सेरेमनी' में ले गए। चाय पीने की यह एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं।

(*i*) जापान के अस्सी फ़ीसदी लोगों में होने वाले मनोरोग के कारणों पर विचार कर उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(*i*) टी-सेरेमनी में जाना

(*ii*) जीवन की तेज़ रफ़्तार

(*iii*) प्रतिस्पर्धा का भाव

(*iv*) दिमाग का तनाव

(क) (*i*) और (*iv*)

(ख) (*i*), (*iii*) और (*iv*)

(ग) केवल (*iv*)

(घ) (*ii*), (*iii*) और (*iv*)

(*ii*) लेखक के मित्र उन्हें कहाँ ले गए?

(क) टी-सेरेमनी में

(ख) मैरिज-सेरेमनी में

(ग) मनोरोग केंद्र में

(घ) डॉक्टर के पास

(*iii*) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा विचार मेल खाता है—

(क) दिमाग की नस फट जाने के कारण लोगों में मानसिक रोग अधिक होने लगे हैं।

(ख) दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने के कारण ज़िंदगी की रफ़्तार बढ़ जाती है, जिससे मानसिक रोग होता है।

(ग) मनुष्य के दिमाग में जो इंजन होता है वह अत्यधिक तनाव नहीं झेल पाता है।

(घ) अकेलेपन में बड़बड़ाने के कारण दिमाग का तनाव बढ़ जाता है।

(*iv*) दिमाग की रफ्तार बढ़ जाना किस बात का परिचायक है?

(क) भय का

(ख) तनाव का

(ग) प्रसन्नता का

(घ) क्रोध का

(v) निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए।

कथन (A) : दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगाने पर दिमाग का तनाव बढ़ जाता है।

कारण (R) : एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करना।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– **(1×2=2)**

(*i*) निम्नलिखित में से कौन-से वाक्य 'गिन्नी का सोना' पाठ से मेल खाते हैं–

(*i*) समाज में 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के आदर्शों का बखान होता है।

(*ii*) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं।

(*iii*) आदर्शवादी लोग अपने लाभ-हानि के बारे में सोचकर ही आगे बढ़ते हैं।

(*iv*) व्यवहारवादी लोगों ने समाज को हमेशा गिराया ही है।

(क) केवल (*i*)

(ख) (*ii*) और (*iv*)

(ग) (*iii*) और (*iv*)

(घ) (*ii*), (*iii*) और (*iv*)

(*ii*) अंग्रेज़ सरकार ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया, क्योंकि–

(क) वह वज़ीर अली का चाचा था।

(ख) वह अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति था।

(ग) उसने अपनी आधी जायदाद कंपनी को दे दी थी।

(घ) वह वज़ीर अली का दुश्मन था।

खंड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– **(3×2=6)**

(क) 'प्रेम सबको जोड़ता है। जो समाज के लिए अपने प्रेम तथा जीवन तक का बलिदान करता है, समाज उसे हमेशा याद रखता है।' आपके द्वारा पाठ्यपुस्तक में पढ़े गए पाठ के माध्यम से भी यह ज्ञात होता है। कहानी के पात्रों के माध्यम से कथन को सिद्ध कीजिए।

(ख) 'कुदरत ने यह धरती सभी जीवधारियों के लिए बनाई है। परंतु आदमी नाम के इस जीव की सब कुछ समेट लेने की भूख ऐसी है कि उसे न तो किसी के सुख-दुख की चिंता है, न किसी को सहारा या सहयोग देने की मंशा है।' इस कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) 'इसमें शैलेंद्र की संवेदनशीलता पूरी शिद्दत के साथ मौजूद है। उन्होंने ऐसी फ़िल्म बनाई थी जिसे सच्चा कवि-हृदय ही बना सकता था।' पठित पाठ के आधार पर शैलेंद्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। **(3×2=6)**

(क) 'तोप' कविता में कवि ने तोप की सँभाल करने की बात की है। इसे क्यों सँभाल कर रखना चाहिए? क्या यह आपको उचित प्रतीत होता है? कारण सहित उत्तर दीजिए।

(ख) आपके द्वारा इस पाठ्यक्रम में पढ़ी गई किस कविता में नैतिक मूल्यों की बात की गई है? कवि ने किन जीवन मूल्यों को मानव जीवन के लिए उपयोगी माना है?

(ग) आपके पाठ्यपुस्तक में पठित 'पद' के आधार पर बताइए कि ईश्वर के प्रति एक भक्त की भक्ति कैसी होनी चाहिए?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3×2=6)

(क) 'लोगों के विश्वास का ही यह परिणाम है कि गाँव की अन्य चीजों की तुलना में ठाकुरवारी का विकास हजार गुणा अधिक हुआ है। अब तो यह गाँव ठाकुरवारी से ही पहचाना जाता है।' लेखक द्वारा ऐसा कहा जाना समाज की किस मानसिकता को दर्शाता है?

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने बचपन के समय को सपनों के समान क्यों कहा है? क्या आपके लिए भी बचपन ऐसा ही है? अपने विचार लिखिए।

(ग) 'उस दिन टोपी बहुत उदास रहा। वह अभी इतना बड़ा नहीं हुआ था कि झूठ और सच के किस्से में पड़ता-और सच्ची बात तो यह है कि वह इतना बड़ा कभी नहीं हो सका।' लेखक के इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना करते हुए इसके आधार पर टोपी के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– (5×1=5)

(क) सदाचार

संकेत-बिंदु–

- सदाचारी व्यक्तियों के मानवीय गुण
- आशावादी और सकारात्मक सोच
- समाज में योगदान

(ख) कोरोना : महामारी और बदलाव

संकेत-बिंदु–

- कोरोना महामारी का स्वरूप
- महामारी का प्रभाव
- समाज में तथा लोगों के रहन-सहन में बदलाव

(ग) 'बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए'

संकेत-बिंदु—

- सूक्ति का आशय
- जीवन में गंभीरता का महत्व
- बिना विचारे कार्य करने का परिणाम

15. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

(क) आप अ०ब०स० क्षेत्र के निवासी हैं। आपके क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई के लिए उचित शिक्षा का प्रबंध न होने के कारण अपने क्षेत्र का एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते शिक्षामंत्री को एक आवेदन-पत्र लिखकर विद्यालय खुलवाने की प्रार्थना कीजिए। **(5×1=5)**

अथवा

(ख) आप नीलेश वर्मा/नीलिमा वर्मा हैं। आपके मोबाइल फ़ोन का बिल बहुत अधिक आ जाने के कारण दूरभाष विभाग के अधिकारी को बिल की पुनः जाँच करने की प्रार्थना करते हुए एक आवदेन पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए। (4×1=4)

(क) विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव के रूप में 'गुलमोहर' पत्रिका के लिए लेख, कविता, निबंध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने हेतु एक सूचना लिखिए।

अथवा

(ख) 'पहल' क्लब की ओर से आपके मोहल्ले में गरीब लोगों के लिए मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए अपने मोहल्ले में रह रहे लोगों को सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए अध्यक्ष की ओर से एक सूचना लिखिए।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **(3×1=3)**

(क) दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित चित्रों की बिक्री के लिए सरकार द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. (क) 'अंतरात्मा की आवाज़' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **(5×1=5)**

अथवा

(ख) आप एन०डी०ए० परीक्षा का प्रवेश-पत्र डाउनलोड करने में असमर्थ रहे। इसके बारे में विभागीय सचिव को लगभग 100 शब्दों में ई-मेल द्वारा सूचित कीजिए।

@darealarnav